तब रिश्तों की भीड़ को

अंदर सौम्य स्वभाव का,जब विस्तृत आकाश ।
तब रिश्तों में धुंध को, करता कौन तलाश ।।-1

गरज-भाव ने जब किया, छल-बल को स्वीकार ।
तब अतिवादी सोच का, हुआ और विस्तार ।।-2

मैंने तो सच ही कहा, लगा मुझे जो ठीक ।
ठहर न पाया किंतु मैं, अपनों के नजदीक ।।-3

असतभाव,अतिवाद की, हुई धार जब तेज़ ।
तब रिश्तों की भीड़ को, किसने रखा सहेज ।।-4

साँस-साँस सद्भाव की, देती जहाँ सुगंध ।
भाता वहाँ स्वभाव को, लिखना नेह-निबंध ।।-5

निठुर भाव-व्यवहार से, हैं जिसके संबंध ।
कब भायी अतिवाद को, मानवता की गंध ।।-6

मुखर हुई जन-चेतना, जागा सत्य-स्वभाव ।
रिश्तों में मृदुभाव का, जब आया ठहराव ।।-7

छल-प्रपंच अतिवाद ने, जब खोला संदूक ।
निठुर भाव-व्यवहार से, हुई न कोई चूक ।।-8

उम्मीदों ने जब छुए, सच्चाई के पाँव ।
श्रमजीवी संवाद से, महका सारा गाँव ।।-9

मिलन-भाव व्यवहार की, जब चाहत बे-नूर ।
कौन किसी के पास तब, कौन किसी से दूर ।।-10

गरज-भरे संवाद से, जहाँ इरादे स्याह ।
औरों के दुख-दर्द की,वहाँ किसे परवाह ।।-11

गाँव-गली,परिवार में, जहाँ दृष्टि बे-आब ।
पनपेगा निश्चय वहाँ, रिस्तों में तेज़ाब ।।-12

ISSN: 2583-8849
साहित्य रत्न ई-पत्रिका अगस्त2023 वर्ष1 अंक4

याद राम शर्मा
जन्म--1951
ग्राम-फरीदपुर, पोस्ट--सुमेरा ,जिला--अलीगढ.(उ.प्र.)202126
माता जी--श्रीमति राजवती देवी
पिता जी--स्व.श्री भूदेव प्रसाद शर्मा
पत्नी--सुमन शर्मा
शिक्षा--एम. एस सी.बी.एड
प्रकाशन--पांच गजल संग्रह, चार गीत संग्रह (घाव नदी के,सूरज की दस्तक, खुशबू के स्वर,लेकिन क्यों?)
दोहा संग्रह--सन्नाटों का शोर (दोहा सतसई), थे ऐसे आजाद (दोहा छंद में खंड काव्य), बिस्मिल राम प्रसाद (दोहा छंद में खंड काव्य),क्रांतिवीर सुखदेव (प्रकाशन प्रक्रिया में)
कहानी संग्रह--एक और आत्म दाह
बाल-कविता-संग्रह--बंदर नाचे छम-छम-छम
हास्य व्यंग्य संग्रह--कुर्सी के इर्द-गिर्द, बीवी का ब्रह्मास्त्र, हास्य के रंग,व्यंग्य के संग आदि.
संपादन--विगत कई वर्षों तक साहित्यिक त्रैमासिक पत्रिका, अभिनव भावांजलि का प्रकाशन एवं संपादन.
संप्रति--लगभग 39 **वर्षों तक अध्यापन के बाद स्वतंत्र लेखन.**
संपर्क--ग्राम-फरीदपुर,पोस्ट-सुमेरा, जिला-अलीगढ (उ.प्र.)202126
ई मेल-yadramsharmapoet@gmail.com
मोबाइल नंबर-9410645951,8923138743